कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ में खरीफ चारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आज दिनांक 09.09.2022 को खरीफ चारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र दिवस का उद्देश्य छात्र/छात्राओं, किसानों, पशुपालकों, उद्यमियों एवं अन्य अंशधारक तथा नीत निर्माताओ में संवेदी करण करना था। जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, के भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झासी के सहयोग से स्थापित किये गये गोल्डन जुबली फारेज गार्डन में चारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 डी0 आर0 सिंह, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा गार्डेन में लगाई गयी विभिन्न चारा फसलों यथा लोबिया, मक्का, ज्वार, डेलमेन्थस, एवं राईसवीन की 43 प्रजातियों का अवलोकन कर निर्देश दिये गये कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दुधारू पशुओं की अच्छी नस्लों का पालन किया जाता है जिससे कि दुग्ध उत्पादन में बहुत महत्ता है। अधिक दुग्ध उत्पादन हेतु दुधारू पशुओं को पोषक तत्व युक्त चारा खिलाया जाना चाहिए। जिसके दृष्टिगत किसानों को वर्ष भर हरा चारा उपलब्ध होता रहे जिसके लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के मध्य महती भूमिका का निर्वहन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के लिए बहु कटानवाली चारा फसलों के बीज / सकर्स उपलब्ध कराने हेतु सस्य विज्ञान एवं अनुवाशकी एवं पादप प्रजनन विभाग के सम्बन्धित वैज्ञानिकों को निर्देश जारी किये गये है। माननीय कुलपति जी द्वारा किसानों से भी संवाद किया गया एवं किसानों से विश्वविद्यालय के अपेक्षाओं के बारे में भी वर्ता की गयी । जिसमें किसानों द्वारा यह अवगत कराया गया कि वह विश्वविद्यालय से तकनीकी जानकारी प्राप्त होती रहती है साथ ही विश्वविद्यालय को पश्चिमी उत्तर प्रदेश हेतु उपयुक्त बहुकटान वाली चारा फसलों का बीज/सकार्स, गन्ना का बीज तथा कृषि यन्त्र उपयोग हेतु किराये पर उपलब्ध कराया जाय। इस अवसर पर क्षेत्रीय किसान श्री रामकुमार, वफावत, श्री राजेन्द्र कुमार, भराला, श्री कदम सिंह खिर्वानोवाद, श्री अनुज कुमार, जिटौल, बॉबी जिटौली आदि बी0एस–सी0 कृषि त्तीय वर्ष स्नातकोत्तर, छात्र /छात्रायें , निदेशक कृषि अनुसंधान केन्द्र, डा0 अनिल सिरोही, कुलसचिव डा0 डी0 के0 सिंह, निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण / विभागाध्यक्ष अनुवांशकी पादप प्रजनन विभाग डा0 एल0 के0 गंगवार,डा0 अशोक कुमार, सह निदेशक सी0आर0सी एवं डा0 मुकेश कुमार, सह निदेशक शोध आदि उपस्थित रहे। मानीय कुलपति महोदय द्वारा छात्र./छात्राओं से संवाद स्थापित कर यह निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में उनके अध्ययन के दौरान फसल उत्पादन में अर्जित की गयी ज्ञान एवं नवीनतम कृषि तकनीकी तथा उच्च गुणवत्ता हेतु बीज ले जाकर अपने परिवार एवं अपने गॉव को उपलब्ध कराकर कृषि छात्र होने के नाते अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये । डा0 शिव कुमार सिंह, सह प्राध्यापक, जी0पी0बी एवं प्रभारी गोल्डेन जबली फारेज गार्डन तथा समन्वयक खरीफ प्रक्षेत्र चारा दिवस द्वारा इस अवसर पर विभिन्न चारा फसलों के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

#Shivi's Pics.